सौतन बनी आज कान्हा मुरलिया तोरी बुंदेली भजन लिरिक्स

सौतन बनी आज कान्हा,
मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।bd।

अरे हां, मैं तो गई यमुना जल,
भरन युमना जल,
तट पे रही बाज कान्हा,
मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।bd।

अरे हां, मैं तो गई कुंजन वन,
गई कुंजन वन,
वन मे रही बाज कान्हा,
मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।bd।

अरे हां, संगम होए अब कैसे,
होए अब कैसे,
होंठन रही बैज कान्हा,
मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।bd।

सौतन बनी आज कान्हा,
मुरलिया तोरी,
बाँसुरिया तोरी।bd।

स्वर – रजनी भारती।
प्रेषक – दुर्गा प्रसाद पटेल
9713325873

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com